



পাহাড়ী-কানাড়া মিশ্র-রূপক

বিরহের গুলবাগে মোর ভুল ক'রে আজ
ফটলো কি বকুল ।

অবেলায় কুঞ্জ বীথি মুঞ্জরিতে
এলে কি বুলবুল ॥

এলে কি পথ ভুলে মোর আঁধার রাতে
ঘুম-ভাঙান চাঁদ,
অপরাধ ভুলেছ কি, ভেঙেছে কি
অভিমানের বাঁধ ॥

প্রদীপ নিভে আসে—ইহারি কণী আলোকে,
দেখে নিই শেষ দেখা যত সাধ আছে চোখে ;
মরণ আজ মধুর হ'লো পেয়ে তব
চরণ রাতুল ॥

হে চির-সুন্দর মোর,—জীবন-সন্ধ্যা সম,
রাঙালে রাঙা-রঙে, উদয় উষার সম ;
ঝরে পড়ুক তব পায়ে আমার এ
জীবন মুকুল ॥

কথা ও সুর :—কাজী নজরুল ইসলাম

স্বরলিপি :—শ্রীজগৎ ঘটক

সা ॥ ॥ ॥ সা -১ রা মা | মা পা পমা | মজা -১ রা -১ | সা -১ ধা ॥
বি র • হে ন্ ও ল্ বা গে • মো স্ব ভূ ল্ ক
• বে • লা য় ক্ ন্ জ বী • ধি • সু ন্ জ
I সা -১ সা -১ | রা -১ সা | রা -১ রপা -মপা | মজা -১ সা ॥ ॥
রে • আ জ্ হু ট্ লো কি • ব • • • কু • ল্ অ
রি • তে • এ • লে কি • বু • ল্ • বু • ল্ বি
সা ॥ ॥ সা -১ রমা -পধা | ধা -১ ধা | ধা -১ গধা -পমা | মা রমা -মা ॥
এ লে • কি • • • প থ্ ভূ লে • মো স্ব • জা ধা • র

- I মপা -ৱা পো -ৱা | মপা -ধা ধা | ধা -ৱা গধা -পমা | মপা -ৱা -ৱা I
রা • • তে • • ঘু • ম্ ভা ঙা • ন • • • ঙা • •
- I গমা -গরা -সা -ৱা | -সরা -সরা -গা | -সা -ৱা -ৱা -ৱা | ৱা ৱা সা I
• •
- I সা -ৱা রা মা | মা -পা পমা | মজ্জা -ৱা রা -ৱা | সা -ৱা ধা I
প • রা ধ্ ঙ্ • লে ছ • কি • তে • তে
- I সা -ৱা সা -ৱা | রা -ৱা সা | রা -ৱা রপা -মপা | মজ্জা -ৱা -ৱা I I
ছে • কি • অ • ভি মা • নে • স্ব • ষা • ধ্ •
- শেয়র্ * II গমা গমা -পধা -না -ধা না না | না নরা -সনা -ধনা -ধা ৱা ৱা I I
প্র • দী • • • • প্ নি ভে আ সে • • • • • • • • • •
- I নর্সা সা সা -ৱা সা -ৱা সা | সা সা -ৱা -ৱা -ৱা -ৱা -ৱা I I
ই • হা রি • ক্ষী প্ আ লো কে • • • • • • • • • •
- I ধনা না না না নর্সা -নর্সা -ৱা | নর্সা নর্সা -ৱা -ৱা -ৱা -ৱা -ৱা I I
দে • থে নি ই শে • • • • য্ দে ধা • • • • • • • • • •
- I না না না না না সনা -ধপা | পধা পা -ৱা -ৱা -ৱা -ৱা সা I I
ধ ত সা ধ্ আ ছে • • • • চে • থে • • • • • • • • • •
- তালে II সা সা রা মা | মা -পা পমা | মজ্জা -ৱা রা -ৱা | সা -ৱা ধা I I
র প্ আ জ্ ম ধ্ র হ্ • ল • পে • যে
- I সা -ৱা সা -ৱা | রা -ৱা সা | রা -ৱা রপা -মপা | মজ্জা -ৱা সা I I I I
ত • ব • চ • র গ • রা • • • • তু • ল্ বি
- শেয়র্ * II পা পা -পা পমা -গধা -গা গপা | -পা পা -ৱা -ৱা -ৱা -ৱা -ৱা I I
হে চি র স্থ • • • • ন্ দ • র মো • • • • • • • • • •
- I ক্ষা পা পনা -ধনা -ধা ধপা -ধা | পা -ধপমা -গা গমা গা -ৱা -ৱা I I
জী ব ন • • • • স ন্ ধা • • • • • • • • • •
- I গমা -মা -মা -ৱা মা গমা -পা | মপা -ৱা গদা ধপা -দা -পদপা -মা I I
রা • ঙা লে • রা ঙা • • • • • • • • • •
- I মা মা গমগা -ধা গা গমা -ৱা | -গমপা -গদা গদা -পা -দপা -দমা -ৱা I I
উ দ য় • • • • উ ষা • • • • • • • • • •
- I পমা -ৱা -ৱা -ধা ধা -ধা ধসা | -ৱা -ৱা সা -সা -ৱা ৱা সা I I I I
হে • • • • চি র স্থ ন্ • দ র • • • •
- তালে II সা -ৱা রা মা | মা -পা পমা | মজ্জা -ৱা রা -ৱা | সা -ৱা ধা I I
রে • প • ঙ্ ক্ ত ব • পা য্ আ • মা
- I সা -ৱা সা -ৱা | রা -ৱা সা | রা -ৱা রপা -মপা | মজ্জা -ৱা সা I I I I
র • এ • • • • জী • ব ন • মু • • • • কু • ল্ বি

* 'শেয়র্' সাধারণতঃ তালে গীত হয় না; এই হেতু, 'শেয়র্' গাহিবার সময় সঙ্গত বন্ধ রাখাই নিয়ম। 'শেয়র্' গীত হওয়ার পর যে স্থল হইতে সঙ্গত চলিলে তাহার পূর্বে 'তালে'—এই কথা লিখিত হইল।